सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 79 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 23 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वह शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है.
-हेलेन केलर

प्राचीन मंदिरों को बचाने के लिए... 8 | सरकार ने जनता को दी एक और... 3 | वंचितों की समस्याओं का समाधान... 7

आठ दिन में फिर दहला प्रयागराज

परिवार के पांच लोगों की हत्या

विपक्ष बोला, प्रदेश में जंगलराज

- » खैवजपुर गांव में धारदार हथियार से दंपति समेत पांच को उतारा मौत के घाट, एक मासूम बची
- » हत्यारों ने घर में लगायी आग, इसके पहले एक ब्राह्मण परिवार के पांच लोगों की हुई थी हत्या
- » सामूहिक हत्याकांड से पुलिस महकमे में हड़कंप घटनास्थल पर पहुंचे सपा नेता, ग्रामीणों में आक्रोश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। आठ दिन के भीतर प्रयागराज आज फिर एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या से दहल उठा है। थरवई के खैवजपुर गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इनमें दंपति के साथ उनकी बेटी, बहू और दो साल की पौत्री शामिल है। सभी की धारदार हथियार से हत्या की गयी। हत्यारों ने वारदात के बाद घर के कमरे में आग भी लगा दी। घर से धुआं निकलता देख जब मौके पर ग्रामीण पहुंचे तब जाकर वारदात की जानकारी हुई। सामूहिक हत्याकांड की सूचना पर पुलिस-प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं विपक्ष ने प्रदेश में लगातार हो रहे अपराधों को लेकर प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। विपक्ष ने कहा कि प्रदेश में जंगलराज कायम है।

सामूहिक हत्याकांड इस बार थरवई थाना क्षेत्र के खैवजपुर गांव में हुई है। शुक्रवार रात राजकुमार यादव परिवार के साथ घर में सो रहे थे जबकि बेटा घर से बाहर एक शादी समारोह में गया था। इसी बीच किसी समय पांच लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी। मृतकों में राम कुमार यादव (55), उसकी पत्नी कुसुम देवी (52), बेटी मनीषा (25), बहू सविता (27) और पौत्री मीनाक्षी (2)शामिल हैं जबकि एक अन्य पौत्री साक्षी (5) जिंदा मिली है। राम कुमार यादव खेती कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। हत्या किसने और क्यों की इस बारे में पता नहीं चल सका है। मौके पर सपा जिलाध्यक्ष योगेशचंद्र यादव पहुंचे। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है।

सीएम ने दिए जांच के आदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या पर गहरा शोक व्यक्त किया है। साथ ही उन्होंने जिले के शीर्ष अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर निष्पक्षता के साथ जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कारवाई करने के निर्देश दिए हैं।

पहले भी हुआ था सामूहिक हत्याकांड

इससे पहले प्रयागराज के नवाबगंज के खागलपुर गांव में 15 अप्रैल को प्रीति तिवारी (38) व उसकी तीन बेटियों माही(12), पीहू(8) और कुहू(3) की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी जबकि पति राहुल तिवारी (42) का शव फंदे पर लटका मिला था। सभी के शव घर के भीतर पड़े मिले थे। मौके पर एक सुसाइड नोट भी मिला था, जिसमें ससुरालवालों को घटना का जिम्मेदार बताया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।

एसटीएफ कर रही जांचः प्रशांत कुमार

एडीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रयागराज में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या की जानकारी मिली है। सामूहिक हत्या के बाद आग लगाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास भी किया गया है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच होगी। एसटीएफ प्रयागराज की यूनिट को भी पड़ताल में लगाया गया है। किसी प्रकार की रंजिश को भी ध्यान में रखा जा रहा है। हत्या में धारदार हथियार का प्रयोग किया गया है। शवों के पोस्टमार्टम के बाद अन्य कारण भी सामने आएंगे।

भाजपा राज में, यूपी डूबा अपराध में : अखिलेश

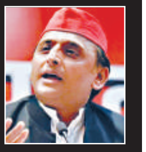

सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट किया, भाजपा 2.0 के राज में, यूपी डूबा अपराध में। आज का अपराधनामा। प्रयागराज में फिर सामूहिक हत्या, एक परिवार के पांच लोगों का गला रेता। शवों को जलाने के लिए घर में लगा दी आग।

“ उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक ही परिवार के पांच लोगों की निर्मम हत्या की खबर अति-दुःखद, निन्दनीय व चिन्ताजनक है। सरकार इस घटना की तह में जाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे।

मायावती, बसपा प्रमुख

“ प्रयागराज में आठ दिनों में हुए दो हत्याकांडों ने प्रदेश सरकार के कानून व्यवस्था की पोल खोल दी है। यूपी में जंगलराज कायम है। पुलिस दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाए एनसीआरबी के आंकड़ों से अपनी पीठ थपथपा रही है और यूपी की जनता भय से कांप रही है।

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता, कांग्रेस

“ प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वे सामूहिक हत्याकांड जैसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। यूपी में जंगलराज कायम हो गया है।

अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव, आरएलडी

कोविड सुरक्षा कवच देने में प्रदेश अव्वल

» सीएम योगी ने ट्वीट कर कहा, लगवाएं जीत का टीका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण के दौर में लोगों को सुरक्षा कवच देने में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। अब तक प्रदेश में 31 करोड़ से अधिक वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी है। इतनी बड़ी संख्या में सुरक्षा कवच देने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री ने इसकी जानकारी देते हुए लोगों से जीत का टीका लगवाने की अपील की है।

भारत में सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य उत्तर प्रदेश ने वैश्विक महामारी के प्रसार पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ ही कोरोना वैक्सीनेशन में भी बड़ा मुकाम प्राप्त किया है। ट्रैक, टेस्ट तथा ट्रीट का फार्मूला कारगर साबित हुआ है। कोरोना के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार मिशन मोड में उतरी। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी कमान संभाली। सरकार ने कोरोना संक्रमितों को आइसोलेट करने के साथ ही उनकी चिकित्सा की व्यवस्था करने के अलावा वैक्सीनेशन पर भी पूरा जोर दिया। इसका नतीजा है कि प्रदेश आज देश में सर्वाधिक लोगों को कोविड का सुरक्षा कवच देने वाला राज्य बन गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस उपलब्धि पर ट्वीट भी किया है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश 31 करोड़ से अधिक कोविड डोज का सुरक्षा कवच प्रदान करने वाला देश का प्रथम राज्य बन गया है। यह जीवन-रक्षक उपलब्धि प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन व स्वास्थ्य कर्मियों की प्रतिबद्धता का प्रतिफल है। कोरोना पर विजय हेतु आप भी अवश्य लगवाएं टीका जीत का।

31 करोड़ से अधिक वैक्सीन की डोज लगाने वाला देश का पहला राज्य बना

उत्तराखंड में उप चुनाव से पहले दलबदल की आहट

» कांग्रेस के दिग्गज नेता के भाजपा में शामिल होने की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। चंपावत विधानसभा उपचुनाव से पहले भाजपा अपनी धुर विरोधी कांग्रेस के भीतर बड़ी सेंध लगाने की फिराक में है। सियासी गलियारों में कांग्रेस के एक दिग्गज नेता के भाजपा में शामिल होने की चर्चाएं गरमा रही हैं। अटकलें हैं कि दिग्गज नेता ने नई दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय नेताओं से मुलाकात भी कर ली है। पार्टी के वरिष्ठ नेता भी इस संभावना से इनकार नहीं कर रहे हैं, जिससे अटकलों को और ज्यादा हवा लग गई है। विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस के भीतर हुए नेतृत्व परिवर्तन से एक खेमा नाखुश है। माना जा रहा है कि यह खेमा कभी भी कांग्रेस के भीतर लावा बनकर फूट सकता है। कांग्रेस में असंतोष और नाराजगी पर सत्तारूढ़ भाजपा की भी निगाह लगी है। सियासी हवाओं में दलबदल की चर्चाएं तेजी से तैर रही हैं। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस के एक दिग्गज नेता जो खुद को अलग-थलग महसूस कर रहे हैं, भाजपा के केंद्रीय और प्रांतीय नेतृत्व के संपर्क में हैं। चर्चा है कि सब कुछ अनुकूल रहा तो दिग्गज नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं। पार्टी के पास दिग्गज नेता को राजनीतिक पुनर्वास का पूरा प्लान है। अटकलें तो यहां तक हैं कि उन्हें 2024 में टिहरी लोस सीट से चुनाव लड़ने से लेकर उनकी सीट पर उपचुनाव तक की भूमिका बांध दी गई है।

अचानक बाराबंकी पीएचसी पहुंचे बृजेश पाठक, मचा हड़कंप

» स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार पड़ताल कर रहे डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वास्थ्य सेवाओं की पड़ताल के क्रम में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक सप्ताह में दूसरी बार जिले में पहुंचे। सीतापुर के महमूदाबाद से लौटते समय वह अचानक नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुर्सी पहुंच गए। डिप्टी सीएम को अचानक केंद्र पर देख चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मियों में अफरातफरी मच गई। करीब सवा एक बजे पहुंचे उपमुख्यमंत्री ने अपनी कार पीएचसी के बाहर खड़ी कर दी। वह ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर कक्ष में पहुंचे। यहां उनकी कुर्सी खाली देख मौजूद चिकित्सक से पूछा तो बताया गया कि ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर अनूप श्रीवास्तव की ड्यूटी स्वास्थ्य मेले में लगी है।

उन्होंने कंप्यूटर पर जमी धूल देखकर नाराजगी जताते हुए पूछा क्या यह महीनों से नहीं चलाया गया है। करीब दस मिनट में उन्होंने पंजीकरण के बाद लेबर रूम, क्षय रोग कक्ष सहित पीएचसी के अन्य पटलों का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री क्षय रोग कक्ष में पहुंचे तो यहां पर फोन पर बात कर रहे क्षय रोग अधिकारी डा. अश्वनी त्रिवेदी पहले तो उन्हें पहचान ही नहीं पाए। डिप्टी सीएम ने पूछा कैसे हैं तो उन्होंने कुर्सी पर बैठे-बैठे बताया कि ठीक हैं। इसके बाद उन्होंने जब दूसरा प्रश्न किया कि आज कितने मरीज देखे तब वह उन्हें पहचान सके। जानकारी देते हुए बताया कि आज 30 मरीजों के सैंपल लिए गए हैं। 54 मरीज क्षय रोग के हैं सभी के खातों में पैसा भेजा जा रहा है। गंदगी देख डिप्टी सीएम ने कहा कि आज पहली बार आया हूं तो छोड़ रहा हूं। दोबारा कार्रवाई गंदगी मिली तो कार्रवाई करूंगा। लेबर रूम में एक भी मरीज न देख महिला चिकित्सक डा. वंदना व डा. नीलम से वजह पूछी। चिकित्सक ने बताया एक प्रसूता भर्ती थी, जिसे आज ही डिस्चार्ज किया गया है। वैक्सीन कक्ष के निरीक्षण में बताया गया कि 40 लोगों को टीका आज लगाया गया है। परिसर में जाला देखकर कहा कि जाला तो साफ करवाइएं। आरोग्य मित्र के न आने पर डॉ. वंदना ने बताया कि उसे नोटिस जारी की गई है। उपस्थित पंजिका में सविता और सरोज के हस्ताक्षर थे। उन्होंने इन दोनों के संबंध में पूछा तो सरोज मौजूद मिलीं, जबकि सविता ब्लड का सैंपल ले रही थीं।

फार्मासिस्ट को लेकर स्वास्थ्य मेला पहुंचे डिप्टी सीएम

स्वास्थ्य मेला में ड्यूटी पर बताए गए कर्मियों की उपस्थिति जांचने वह फार्मासिस्ट एसके भारती को साथ में लेकर ब्लॉक में लगे मेले में पहुंचे। यहां पहुंचते ही पानी से हाथ धोया। इसके बाद सीएचसी अधीक्षक डॉ. आरपी वर्मा को फोन मिलाकर पूछा कि जो स्वास्थ्यकर्मी वहां पर नहीं थे। मेला में कहां है। इस पर वहां पर सैंपल में काम कर रहे इकबाल हुसैन जैदी व प्रमोद सैनी उनके पास पहुंचे और बताया कि वह लोग सुबह ही आ गए थे।

31 तक भेजें सीधी भर्ती की रिक्तियों के प्रस्ताव : मुख्य सचिव

» दुर्गा शंकर मिश्र ने जारी किया शासनादेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के क्रम में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने सभी विभागों को चयन वर्ष 2022-23 में सीधी भर्ती की रिक्तियों का अधियाचन (भर्ती प्रस्ताव) उप्र लोक सेवा आयोग और उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को हर हाल में 31 मई तक भेजने के लिए कहा है। मुख्य सचिव ने इस बारे में सभी विभागों को शासनादेश जारी कर दिया है।

मंत्रिपरिषद के समक्ष नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग की कार्ययोजनाओं के प्रस्तुतीकरण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा था कि सरकार सभी विभागीय रिक्तियों को शीघ्रता से भरने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने निर्देश दिया था कि चयन वर्ष 2022-23 में सीधी भर्ती के लिए सभी विभागों की ओर से अधियाचन 31 मई से पहले भेज दिये जाएं ताकि उप्र लोक सेवा आयोग और उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर सकें। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भर्ती से जुड़े प्रदेश के सभी चयन बोर्ड/आयोगों से अपेक्षा की है कि वे 100 दिनों का लक्ष्य करते हुए प्रदेश के 10,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी देने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे।

लखीमपुर कांड : आशीष मिश्रा 25 को करेगा सरेंडर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तिकुनिया हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत आदेश रद्द होने के बाद आशीष मिश्र अब 25 अप्रैल को जिला अदालत में आत्म समर्पण करेगा। सुप्रीम कोर्ट से आरोपी आशीष मिश्र मोनू को एक सप्ताह की मोहलत मिली थी, जो 25 अप्रैल सोमवार को समाप्त हो रही है।

इसी के चलते कयास लगाए जा रहे थे कि 22 अप्रैल को समय पूर्व ही आशीष मिश्र कोर्ट में सरेंडर कर सकता है, लेकिन शुक्रवार की शाम तक भी आशीष मिश्र मोनू हाजिर नहीं हुआ। इसके बाद उनके अधिवक्ताओं ने बताया की 25 अप्रैल को आशीष मिश्र मोनू सिविल कोर्ट मे उपस्थित होकर आत्मसमर्पण करेगा। उसके बाद

26 अप्रैल को जिला अदालत में आशीष मिश्र पर आरोप तय करने को लेकर सुनवाई है। तिकुनिया हिंसा मामले में डिस्चार्ज एप्लीकेशन को लेकर भी तमाम दिक्कतें आ रही हैं। सह आरोपी अंकित दास, लतीफ काले, सत्यम त्रिपाठी, नंदन सिंह बिष्ट सहित पांच आरोपियों की ओर से डिस्चार्ज एप्लीकेशन की तैयारी में जुटे वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह गौड़ ने बताया कि 164 के अधीन दर्ज किए गए बयानों की नकल आवेदित किए हुए 10 दिन से अधिक समय हो चुका है, लेकिन स्टाफ की कमी से नकल नहीं बनवाई जा सकी हैं।

चुनाव से पहले भाजपा में आ जाते शिवपाल तो योगी मंत्रिमंडल में होते : अठावले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि बसपा प्रमुख मायावती को भारतीय जनता पार्टी के साथ लाने का प्रयास करूंगा। वह पहले भी भाजपा के साथ रही हैं। उन्होंने कहा कि बसपा का वोट प्रतिशत बहुत कम हो गया है। प्रदेश में कांग्रेस की तरह ही बसपा की भी हालत हो गई है।

उन्होंने कहा कि शिवपाल यादव यदि चुनाव से पहले भाजपा में आ जाते तो आज वह योगी मंत्रिमंडल में मंत्री होते। राजधानी लखनऊ में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि शिवपाल यादव व आजम खां सपा मुखिया अखिलेश यादव को छोड़ कर जा रहे हैं। कहां जा रहे हैं यह उन्हें नहीं पता है। मेरा निवेदन है कि जो भी अखिलेश को छोड़ कर जा रहे हैं वह भाजपा के साथ चले आएं। उन्होंने शिवपाल यादव को सलाह दी कि अभी भी उनके पास समय है वह भाजपा में शामिल हो जाएं।

बामुलाहिज़ा

कार्टून : हसन जैदी

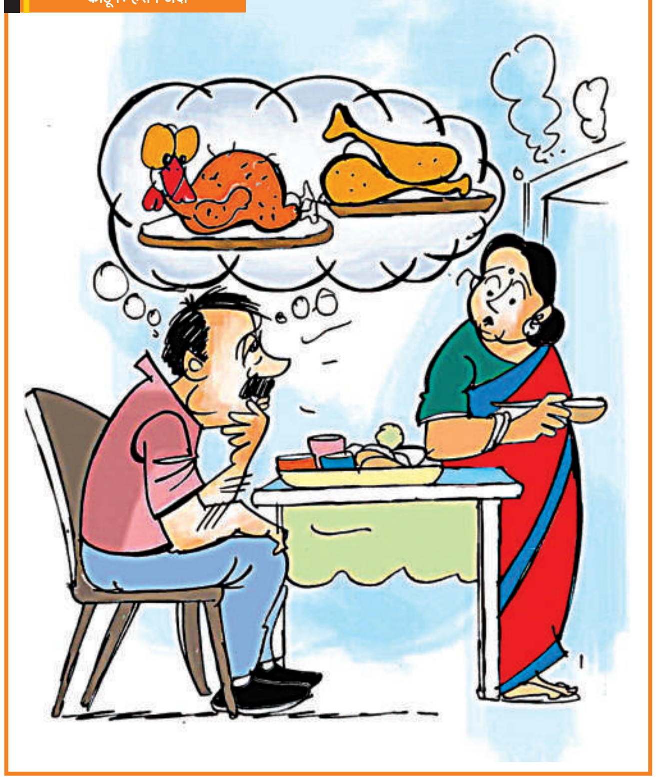

महिलाओं के विरुद्ध अपराध पर एक्शन में योगी सरकार, प्रभावी पैरवी की कार्ययोजना तैयार

» पुलिस बल को और सशक्त व सक्षम बनाने का लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। माफिया और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस का फोकस महिला अपराधों पर शिकंजा कसने पर भी है। पुलिस बल को और सशक्त व सक्षम बनाने का लक्ष्य तय करने के बाद योगी सरकार ने अब लोगों को जल्द इंसाफ दिलाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। इस कड़ी में गृह विभाग ने पिछले वर्षों में महिला अपराध के मामलों में हुई कार्रवाई को आधार बनाते हुए प्रभावी पैरवी की कार्ययोजना तैयार की है।

गृह विभाग ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष दिए गए प्रस्तुतिकरण में छह माह की कार्ययोजना में मृत्युदंड की सजा वाले अपराधों में छह अभियुक्तों और उम्र कैद की सजा वाले 300 अभियुक्तों को छह माह के भीतर जेल भेजवाने का लक्ष्य तय किया है। ऐसे मामलों में पैरवी तेज की जाएगी। पॉक्सो एक्ट के 10

प्रकरणों में विचारण तेज होगा और आरोपितों को एक माह के भीतर सजा दिलाई जाएगी। दो वर्ष व पांच वर्ष की सजा वाले मामलों में भी समय सीमा निर्धारित की गई है। महिला अपराध के मामलों में दोषियों को सजा दिलाने में उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपनी स्थिति में सुधार किया है। वर्ष 2019 में महिलाओं के प्रति अपराध के मामलों में दोषियों को सजा दिलाने का प्रतिशत 55.2 था, जो वर्ष 2020 में बढ़कर 61 प्रतिशत के साथ देश में सबसे अधिक था। महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से प्रदेश में मिशन शक्ति की शुरुआत की गई थी, जिसके तहत अभियान के तहत की गई कार्रवाई के सार्थक परिणाम भी सामने आए। 17 अक्टूबर, 2020 से 21 दिसंबर, 2021 तक मिशन शक्ति के तीन चरणों के दौरान 31 दोषियों को मृत्युदंड की सजा दिलाई गई। जबकि 1087 आरोपितों को आजीवन कारावास की तथा 1315 आरोपितों को 10 वर्ष व उससे अधिक के कारावास की सजा दिलाने में सफलता मिली। इस वर्ष एक जनवरी से 31 मार्च के मध्य पांच दोषियों को मृत्युदंड की सजा दिलाई गई। इसी अवधि में 192 आरोपितों को आजीवन कारावास व 265 आरोपितों को 10 वर्ष से अधिक की सजा दिलाई गई। गृह विभाग ने दो वर्ष की कार्ययोजना के तहत मृत्युदंड की सजा वाले अपराधों में 10, आजीवन कारावास की सजा वाले अपराधों में 500 को और 10 वर्ष की अधिक की सजा वाले अपराधों में दो हजार को सजा दिलाने जाने का लक्ष्य रखा है।

सरकार ने जनता को दी एक और राहत, अब सीधे संवाद करेंगे मंत्रीजी

जनता से संवाद कर फील्ड पर ही सुलझाएंगे समस्या

» सभी कैबिनेट मंत्री फील्ड पर देंगे योजनाओं की जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की दूसरी बार कमान संभालने के बाद योगी आदित्यनाथ पूरी फॉर्म में नजर आ रहे हैं। गृह विभाग के प्रेजेंटेशन को देखकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध समाप्त हो चुका है। अवैध रूप से अर्जित की गई 2081 करोड़ की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। आगे भी माफिया, अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए हमारी पुलिस 24 घंटे मुस्तैद रहेगी।

यही नहीं जनता से संवाद करने के लिए सभी कैबिनेट मंत्री अब फील्ड में जाएंगे। कैबिनेट मंत्रियों की अध्यक्षता में 18 मंडलों के लिए 18 टीमें गठित कर 18 सप्ताह के लिए कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। यह टीमें हर मंडल में 72 घंटे का प्रवास करेंगी। अलग-अलग जिलों का भ्रमण करेंगी। लोगों से मिलेंगी। व्यवस्था की पड़ताल करेंगी, संभावनाओं की परख करेंगी और सरकार को रिपोर्ट करेंगी। आगामी 100 दिनों ने अयोध्या जनपद में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की इकाई गठित की जाएगी। यूपी 112 के रिस्पॉन्स टाइम को और कम करते हुए 10 मिनट तक लाने के प्रयास किए जाएंगे। कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के क्रम में जालौन, मिर्जापुर और बलरामपुर में एक-एक नई महिला पीएसी बटालियन का गठन किया जाना जाएगा। इसके अलावा यूपी में विशेष जांच एजेंसी का गठन भी किया जाएगा।

हर जिले के विकास के लिए बनेगा मॉडल डिस्ट्रिक्ट प्लान

प्रदेश के समग्र विकास के लिए सरकार ने नई योजना तैयार की है। इसके तहत हर जिले के लिए मॉडल डिस्ट्रिक्ट प्लान तैयार किया जाएगा। इसे तैयार करने से पहले हर जिले की समस्याओं का बारीकी से अध्ययन कराया जाएगा। शासन स्तर पर मंथन के बाद प्लान को अंतिम रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए कैबिनेट मंत्रियों को फील्ड में जाने के निर्देश दिए हैं। कैबिनेट मंत्रियों की अध्यक्षता में 18 मंडलों के लिए 18 टीमें गठित कर 18 सप्ताह का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। ये टीमें हर मंडल में 72 घंटे का प्रवास करेंगी।

स्वच्छता और साफ-सफाई पर दिया जोर

मुख्यमंत्री ने सचिवालय के भवनों में स्वच्छता और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा है। उन्होंने सचिवालय भवनों में पान-मसाला व गुटखा आदि वस्तुओं को पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया है। इसी तरह सचिवालय भवनों में बिना वैध प्रवेश पत्र के किसी को भी प्रवेश न दिए जाने का निर्देश दिया है। कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि दलाल प्रकृति के व्यक्ति सचिवालय में प्रवेश न कर सकें। उन्होंने समय से पत्रावलियों के निस्तारण पर जोर देते हुए फिर दुहराया कि पटल पर कोई भी पत्रावली तीन दिन से अधिक लंबित नहीं रहनी चाहिए।

रिक्त पदों को भरने का काम तेजी से करें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिक्त पदों को भरने का काम तेजी से और समयबद्ध ढंग से बढ़ाने का निर्देश दिया है। उन्होंने चयन वर्ष 2002-23 की सीधी भर्ती से संबंधित पदों का भर्ती प्रस्ताव (अधियाचन) 31 मई से पहले भेजने का निर्देश दिया है। इससे यूपी लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग भर्ती की कार्यवाही शुरू कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने ये निर्देश विभागों के प्रस्तुतिकरण के दौरान दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी विभागीय रिक्तियों को तेजी से भरने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने रिक्त पदों पर चयन के लिए समयबद्ध ढंग से भर्ती प्रस्ताव भेजने की व्यवस्था का निर्देश दिया। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल की व्यवस्था की जाए। उन्होंने पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के साथ ही सेवायोजित युवाओं के प्रशिक्षण पर भी प्रभावी कार्यवाही को कहा है। मुख्यमंत्री ने फील्ड में तैनात अधिकारियों को अनावश्यक मुख्यालय न बुलाये जाने का निर्देश भी दिया है।

लोक सभा चुनाव पर बसपा का फोकस, दलित और मुस्लिमों की जुगलबंदी का प्लान तैयार

» कोर वोटरों को फिर से पाले में लाने की कवायद, संगठन में किए गए बदलाव

» विधान सभा चुनाव में महज एक सीट में सिमट गयी है बसपा, वोट प्रतिशत भी घटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त मिलने के बाद अब बसपा प्रमुख मायावती ने लोक सभा चुनाव पर अपनी नजरें गड़ा दी है। एक तरफ वे संगठन को मजबूत करने में जुटी हैं तो दूसरी ओर दलित-मुस्लिम गठजोड़ के जरिए चुनाव की नैया पार लगाने की उम्मीद कर रही हैं। मुस्लिमों के सपा से नाराज होने के बाद बसपा की उम्मीद और भी बढ़ गयी है। उसे लग रहा है कि सपा से नाराज मुस्लिम विकल्प के तौर पर बसपा को स्वीकार कर सकते हैं।

यूपी विधान सभा चुनाव में केवल एक सीट पर सिमट कर रह जाने वाली बसपा ने अब भविष्य की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। यही नहीं उसका वोट प्रतिशत भी काफी घट गया है। इससे बसपा का शीर्ष नेतृत्व बेहद चिंतित है। अब वह नयी सोशल इंजीनियरिंग पर चलने की तैयारी कर रहा है। पार्टी नेतृत्व लोक सभा चुनाव के मद्देनजर अब दलित और मुस्लिमों को साधने में जुट गया है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि विधान सभा चुनाव परिणाम ने यह बात साबित कर दिया है कि सपा भाजपा को रोक नहीं सकती। ऐसे में भाजपा को रोकने के लिए लोग बसपा को एक राजनीतिक विकल्प के रूप में स्वीकार करेंगे। 2024 के लोक सभा चुनाव में उन्हें बसपा में उम्मीद दिखाई पड़ेगी। लिहाजा अब पार्टी एक जन अभियान चलाकर मतदाताओं में यही बात बिठाने की कोशिश करेगी कि वह उनकी उम्मीदों पर खरी उतर सकती है। भाजपा के विकल्प के रूप में उन्हें बसपा को प्राथमिकता देनी चाहिए। मुस्लिमों ने एक विकल्प की तलाश में सपा को एकतरफा वोट दिया। इसके अलावा बसपा के धुरसमर्थक रहे जाटव और अन्य दलित वोटरों ने भी भाजपा और सपा का साथ दिया था। अब जब सपा के मुस्लिम नेता ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर मुस्लिमों की अनदेखी का आरोप लगा रहे हैं तो बसपा को उम्मीद बढ़ गई है। लिहाजा उसने दलित और मुस्लिमों को अपने पाले में करने की कवायद तेज कर दी है।

गुड्डू जमाली को टिकट

बसपा ने एआईएमआईएम के टिकट पर विधान सभा चुनाव लड़े पूर्व विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने एक बार फिर से बसपा का दामन थाम लिया है। मायावती ने उन्हें आजमगढ़ लोक सभा सीट से उपचुनाव के लिए प्रत्याशी घोषित कर मुस्लिमों को संदेश देने की कोशिश की है।

मात्र 13 फीसदी मिला वोट

यूपी में लगभग 22 प्रतिशत दलित हैं। बसपा को इस बार तकरीबन कुल 13 प्रतिशत वोट मिले हैं। यह वोट प्रतिशत 1993 के बाद सबसे कम है। इससे साफ है कि पार्टी का अपना कोर वोटर भी पार्टी से दूर हो गया है। यह वोट बैंक भाजपा-सपा में सिफ्ट कर गया।

फिर सक्रिय की जाएगी वालंटियर फोर्स

संगठन को फिर से तैयार करने के लिए बसपा वालंटियर फोर्स (बीवीएफ) पर काम करेगी। पार्टी सुप्रीमो मायावती ने नए सिरे से बीवीएफ समितियों का गठन करने को कहा है। इसके तहत 28 अप्रैल तक हर जिले में 11 सदस्यीय समिति का गठन किया जाएगा। बसपा को सबसे बड़ी चिंता अपने कॉडर को लेकर है। विधान सभा चुनाव में बसपा का कोर वोट टूटा है। बसपा के शीर्ष नेतृत्व को चिंता है कि जो काडर वोट अभी भी पार्टी के साथ है वे विधान सभा में अपेक्षित परिणाम न आने से निराश होकर कहीं और न सिफ्ट हो जाएं। लिहाजा इसे रोकने के लिए बीवीएफ को सक्रिय किया जा रहा है। इसके तहत प्रत्येक जिले में बीवीएफ में एक संयोजक और 10 सहसंयोजक बनाए जाएंगे। 11 सदस्यीय इस टीम से मुख्य संगठन में जिलाध्यक्ष, विधान सभा सचिव या अन्य पदाधिकारी भी चुनने को प्राथमिकता दी जाएगी। यही समिति कॉडर कैंपों की मॉनिटरिंग भी करेगी।

आकाश आनंद को बनाया राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर

बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के लिए तीन चीफ कोआर्डिनेटर बनाए हैं। मेरठ के मुनकाद अली, बुलंदशहर के राजकुमार गौतम तथा आजमगढ़ के विजय कुमार को प्रदेश के सभी कोआर्डिनेटर रिपोर्ट करेंगे। यह तीनों सभी कोआर्डिनेटर पर निगाह रखेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पारंपरिक चिकित्सा पर फोकस के मायने

सवाल यह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन पारंपरिक चिकित्सा पद्धति पर मेहरबान कैसे हो गया? भारत में इसकी शुरुआत के पीछे क्या कारण हैं? पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी फंड की व्यवस्था कैसे होगी? क्या विशेष रोगों के समग्र उपचार के लिए वैश्विक प्रोटोकॉल तैयार होगा? क्या यह पद्धति महंगी एलोपैथिक का बेहतर विकल्प बन सकेगी?

कोरोना काल में विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार ने नयी पहल की है। प्राचीन भारतीय आयुर्वेद व अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए गुजरात में विश्व के पहले ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन का शुभारंभ किया गया। इसका उद्देश्य आधुनिक विज्ञान के साथ प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को जोड़कर इसकी क्षमता को बेहतर और वैज्ञानिक बनाना है। इसमें अनुसंधान, साक्ष्य एवं शिक्षा, डेटा एवं विश्लेषण, स्थायित्व-समानता और नवाचार एवं प्रौद्योगिकी शामिल किए गए हैं। सवाल यह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन पारंपरिक चिकित्सा पद्धति पर मेहरबान कैसे हो गया? भारत में इसकी शुरुआत के पीछे क्या कारण हैं? पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी फंड की व्यवस्था कैसे होगी? क्या विशेष रोगों के समग्र उपचार के लिए वैश्विक प्रोटोकॉल तैयार होगा? क्या यह पद्धति महंगी एलोपैथिक का बेहतर विकल्प बन सकेगी? क्या पारंपरिक औषधियों को वैज्ञानिक तरीके से बनाने में भारत अगुवा बन सकेगा?

कोरोना से निपटने के लिए जरूरी दवाओं और टीके के अभाव के कारण पूरी दुनिया को अचानक परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों की याद आ गयी। भारत में योग व आयुर्वेदिक काढ़े का कोरोना से बचाव के लिए खूब इस्तेमाल हुआ, हो रहा है। निजी प्रयासों से कुछ आयुर्वेदिक दवाइयां भी बाजार में आयीं। भारत के बाहर भी आयुर्वेदिक काढ़े की मांग बढ़ी। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि कोरोना काल में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों ने संजीवनी का काम किया। पूरी दुनिया में भारत की आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को काफी प्रतिष्ठा मिली। सच यह है कि दुनिया की बड़ी आबादी आज भी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का प्रयोग करती है। इसमें प्रचीन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूपंक्चर, योग आदि शामिल हैं। यही वजह है कि भारत की पहल पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्राचीन आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के विकास में सहयोग देने को मंजूरी दी। गौरतलब है कि भारत में आयुर्वेदिक दवाइयों का बाजार करीब पांच अरब डॉलर का है जिसके 2026 तक 15 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। जाहिर है यह सेंटर न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए बेहतर साबित होगा। यह आयुष के क्षेत्र में भारत को अगुआ भी बन देगा। भारत सरकार ने इस केंद्र के लिये तमाम संसाधनों के अलावा 250 मिलियन डालर का निवेश किया है। साथ ही विदेशों से भारत में आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार कराने के लिए आने वाले लोगों के लिये विशेष आयुष वीजा आरंभ करने की भी घोषणा की है। इसमें दो राय नहीं कि इससे सभी को राहत मिलेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकसित राष्ट्रों का भारत के प्रति रुख

प्रह्लाद सबनानी

आज अमेरिका, यूरोप एवं अन्य विकसित देश कई प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहे हैं और इन समस्याओं का हल निकालने में खुद को असमर्थ महसूस कर रहे हैं। दरअसल, विकास का जो मॉडल इन देशों ने अपनाया है, उसमें कई छिद्र है और जिन्हें भर नहीं पाने के कारण इन देशों में समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। जैसे- प्राकृतिक संसाधनों का तेजी से क्षरण होना, ऊर्जा का संकट पैदा हो जाना, वनों क्षेत्र में कमी होना, भूजल का स्तर गिरना, नैतिक एवं मानवीय मूल्यों में ह्रास आदि है। इनके पीछे आर्थिक विकास का पूंजीवादी मॉडल प्रमुख कारण है।

पूंजीवादी मॉडल में आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने के लिए विभिन्न पदार्थों के अधिक से अधिक उत्पादन एवं उपभोग पर जोर दिया जाता है, जिसके चलते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण होता है। चूंकि आर्थिक विकास की गति को बनाए रखना है अत: इन प्राकृतिक संसाधनों के शोषण पर रोक लगाने के बारे में सोचा नहीं जा रहा है। इस प्रकार विकसित देश एक ऐसे दुष्चक्र में फंस गए हैं जिससे निकलना अब उनके लिए संभव होता नहीं दिख रहा है। विकसित देशों की कुल जनसंख्या पूरे विश्व की का 20 प्रतिशत है और ये विश्व के कुल संसाधनों का 80 प्रतिशत भाग का उपयोग करते हैं। ये विश्व के कुल ग्रीन हाउस गैसों का 80 प्रतिशत भाग वातावरण में भेज रहे हैं। अकेले अमेरिका ही अल्यूमिनीयम का इतना कचरा फेंकता है कि इससे वर्ष भर में 6000 जेट विमान बनाए जा सकते हैं। विकसित देशों का पूंजीवादी विकास मॉडल चूंकि भौतिकवाद पर टिका हुआ है अत: आर्थिक जगत की एक इकाई द्वारा दूसरी इकाई का शोषण करते हुए ही अपना विकास सुनिश्चित किया जाता है। ब्रिटेन यदि अपने विकास के लिए भारत का शोषण नहीं करता तो ब्रिटेन में औद्योगिक विकास संभव ही नहीं था। यह पूंजीवादी मॉडल उपभोक्ता की मजबूरी का फायदा उठाकर उसे या तो अधिक कीमत पर वस्तु बेचता है अथवा अपेक्षाकृत कम गुणवत्ता की वस्तु बेचकर अधिक से अधिक लाभ कमाने की मानसिकता से कार्य करता है। इसी प्रकार श्रमिकों को कम पारिश्रमिक अदा कर अथवा उससे अधिक समय तक काम लेकर उसका शोषण करता है। पूंजीवादी मॉडल के अंतर्गत प्रत्येक इकाई के लिए समान विकास की भावना पनप ही नहीं पाती है एवं एक इकाई दूसरी इकाई का शोषण करती हुई दिखाई देती है। इसलिए नैतिक, मानवीय एवं सामाजिक सरोकार पीछे छूट गए हैं।

केवल आर्थिक सम्पन्नता को ही विकास की निशानी मान लिया गया है, अत: विशेष रूप से विकसित देशों के नागरिकों में सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक परेशानियों ने भी अपना घर बना लिया है। हत्याएं, आत्महत्याएं, बलात्कार, चोरी डकैती, नशीली दवाओं का सेवन आदि जैसे अपराधों में वृद्धि हुई है। इसके ठीक विपरीत, लगभग 1000 वर्ष पूर्व तक भारत आर्थिक रूप से एक समृद्धिशाली देश था और भारतीय नागरिकों को जीने के लिए चिंता नहीं थी एवं इन्हें आपस में कभी भी स्पर्धा करने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। देश में भरपूर मात्रा में संसाधन उपलब्ध थे, प्रकृति समस्त जीवों को भरपूर खाना उपलब्ध कराती थी अत: छल-कपट, शोषण, हत्याएं, आत्महत्याएं आदि जैसी समस्याएं प्राचीन भारत में दिखाई ही नहीं देती थीं। भारतीय दर्शन में तो न केवल मानव बल्कि पशु एवं पक्षियों के जीने की भी चिंता की जाती रही है। सनातन धर्म में उपभोक्तावाद निषिद्ध है। आज केवल भारत ही वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा है, इसी कारण पूरा विश्व आज भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रहा है। इसके अलावा विश्व भारतीय परंपराओं को अपनाने की ओर आगे बढ़ रहा है जैसे कृषि के क्षेत्र में केमिकल, उर्वरक, आदि के उपयोग को त्याग कर ऑर्गेनिक फार्मिंग अर्थात गाय के गोबर का अधिक से अधिक उपयोग किए जाने की चर्चाएं जोर शोर से होने लगी हैं। पहले आयुर्वेदिक दवाइयों का मजाक बनाया गया था परंतु आज पूरा विश्व ही हर्बल मेडिसिन एवं भारतीय आयुर्वेद की ओर आकर्षित हो रहा है। हमारे पूर्वज हमें सिखाते रहे हैं कि पेड़ की पूजा करो, पहाड़ की पूजा करो, नदी की रक्षा करो तब विकसित देश इसे भारतीयों की दकियानूसी सोच कहते थे परंतु पर्यावरण को बचाने के लिए यही विकसित देश आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मेलनों का आयोजन कर यह कहते हैं कि पृथ्वी को यदि बचाना है तो पेड़, जंगल, पहाड़ एवं नदियों को बचाना ही होगा। इसी प्रकार कोरोना महामारी के फैलने के बाद पूरे विश्व को ही ध्यान में आया कि भारतीय योग, ध्यान, शारीरिक व्यायाम, शुद्ध सात्विक आहार पर गया। कुल मिलाकर आज पूरे विश्व एवं विकसित देशों का रुख भारत के प्रति बदल रहा है।

बिगड़ती आबोहवा की करें चिंता

अनिल प्रकाश जोशी

हम किसी भी रूप में विकास के नाम का डंका पीटना चाहते हों, लेकिन यह कैसे भूल जाएं कि वायु गुणवत्ता की हमारे सामने गंभीर चिंता है। एक हालिया रिपोर्ट हमें आईना दिखा रही है। विकास की प्रतिबद्धता में हम कुछ हद तक खरे उतरे लेकिन हम भूल गये कि उन सबको भोगने के लिए जीवन चाहिए और जीवन के लिए प्राण वायु. प्राण के लिए पृथ्वी को बचाना होगा। अब यही वायु यदि प्राण लेने लग जाए तो हमारे तमाम तरह के उपक्रमों और रणनीतियों पर बड़ा अंकुश तो लग ही जायेगा। जिस तरह से यह रपट बता रही है कि हम कितने भी बढ़ते-चढ़ते देश हों पर यहां पर हमने बहुत बड़ी मात खा ली है।

दुनिया के करीब 50 शहरों को सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण के रूप में गंभीर माना गया है अगर 35 शहर भारत के हों तो यह बेहद चिंताजनक है। ऐसा न हो कि इसको गंभीरता से न लेते हुए हम अपने ही जीवन को संकट में डाल लें वो जीवन जिसके लिए देश 75 सालों से विकासशील या विकसित देश बनने के लिए लालायित है। साल 2021 की यह रपट जो विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कई मानकों पर तय की है। अपने देश के 35 शहर इसके बड़े घेरे में आ चुके हैं। स्विस संगठन आईक्यू इयर की हालिया रिपोर्ट पीएम-2.5 वाले वायुप्रदूषण को लेकर है, जिसमें यह माना गया है कि अकेले दिल्ली में 2021 में पीएम-2.5 के स्तर में 14.6 फीसदी की बढ़ोतरी हो गयी है। पिछले तमाम दशकों से जो वायु प्रदूषण को लेकर शोर-शराबा हुआ है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार डांट-फटकार लगायी पर हम संभले नहीं। इसमें 2020 के 84 माइक्रोग्राम प्रतिघन के मुकाबले 2021 में यही पीएम-2.5 का कण 96 माइक्रोग्राम प्रतिघन मीटर हो गया। जो दिल्ली देश को दिशा देती हो, राजनीतिक हो, आर्थिक हो या सामाजिक हो अगर यह नहीं संभली तो बाकी हिस्सों का क्या होगा? उदाहरण के लिए, दिल्ली को देश का दिल मानते हुए भविष्य की बहुत-सी रणनीतियां बनती हों और अगर उसके ये हालात हैं, तो फिर बाकी शहरों की क्या स्थिति होगी, यह समझ में आ जाना चाहिए।

दुनिया में 50 सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में 35 हमारे हिस्से के हैं। दिल्ली को तो इस रूप में भी माना जा सकता है कि यहां बड़ा जमावड़ा हमेशा रहता है। राजधानी होने के नाते क्या उद्योगपति, क्या राजनीतिक और क्या अन्य व्यवसायों से जुड़े हुए लोग, इस शहर में भीड़ बढ़ा कर रखते हैं। आवाजाही हमेशा और शहरों की तुलना में अधिक रहती है तो ये समझा भी जा सकता है कि दिल्ली के बिगड़ने ये कारण हो सकते हैं, पर देश के अन्य शहरों में भी ऐसे ही हालात बढ़ते जा रहे हैं। हम ग्लासगो में जाकर कुछ भी हल्ला कर लें, दिल्ली में बैठ कर अपने आने वाले समय के विकास के रास्तों को मजबूत कर रहे हों लेकिन अब इस तरह के आंकड़े एक भयानक भविष्य की ओर इशारा करते हैं। अपने देश में देखिए 48 फीसदी भारतीय शहरों में वायु गुणवत्ता का स्तर 50 ग्राम प्रतिघन मीटर से उपर रहा है जो डब्लूएचओ के मानक पांच ग्राम प्रति घन मीटर से 10 गुना अधिक है। अब अगर ये हालात हैं तो ये मान कर चलें कि अब दिन दूर नहीं कि हम अपने शहरों को गैस चैंबरों में परिवर्तित कर देंगें। यह हाल मात्र अभी 35 शहरों का दर्शाया गया है लेकिन आने वाले समय में देश के सारे शहरों के यही हाल होंगे। इसका बड़ा साफ खुला कारण भी है, हमारे ही देश में सड़कों पर उतरती गाड़ियों की संख्या पूरी तरह से अनियंत्रित है और शहर के लोग अपने तबकों के अनुसार कई तरह की गाड़ियों के शौक को भी पूरा करते हैं और यही नहीं जिस तरीके से बाजारी सभ्यता गांव तक पहुंचा दी है, अब गांव में भी कार, मोटरसाइकिलों का जमावड़ा शुरू हो गया है। हमने आवाजाही और ट्रांसपोर्ट को इस हद तक पहुंचा दिया है जो हमारे लिए कार्बन उत्सर्जन का और अंतत: वायु प्रदूषण का बड़ा कारण बना है। देश बढ़ता चला जा रहा है और देश की आगामी योजनाओं में सबसे ज्यादा ढांचागत विकास का महत्व दिया जा रहा है। ये भी अपने आप में बहुत बड़ा कारण भी बनेगा। हमारी पारिस्थितिकी पर प्रतिकूल असर डालेगा। इसके अलावा उद्योगों की बाढ़ और वहीं दूसरी तरफ जरूरी वनों का घटता घनत्व और साथ में मरती नदियां और पानी के स्रोत, ये सब अब हमारा धीरे-धीरे साथ छोड़ रहे हैं।

साफ बात है कि इनका भी प्रतिकूल असर इन सब पर पड़ रहा है, जिसका न तो हमारे पास कोई अध्ययन है और न कोई आंकड़ा हमारे सामने है। समुद्र, जो कार्बन सिंकिंग का बहुत बड़ा स्रोत है, वह भी आज डार्क जोन में परिवर्तित होता जा रहा है। कचरे से भरा समुद्र आज हमारे कार्बन को लेकर के शायद हमारी बहुत बड़ी सहायता नहीं कर पायेगा। एक बड़ा गंभीर विषय है। अब यह बहुत बड़ी बहस की आवश्यकता हो चुका है कि हमारी जीवनशैली को नियंत्रण करने के लिए भी नियम बनें। नियम और नियंत्रण ही वे होंगे जो हमारे अपने जीवन को बचाने के होंगे। हम किसी भी तरह के प्रतिबंध से परहेज न करें क्योंकि उन्हें हम अपने जीवनशैली का विरोधी अवश्य मानेंगे लेकिन यही शायद हमारे जीवन को बचा पायेगा। आज वायु का प्रदूषण दुनिया में एक नये पैमाने के साथ मापा जाना चाहिए और इसको सीधे जीवनशैली से जोड़कर देखा जाना चाहिए। जीवन ही नहीं होगा तो हम किस शैली को लेकर आगे बढ़ें, ये सोचने का समय भी नहीं बचेगा?

इन उपायों से घर को बनायें प्रदूषण मुक्त

हवा में फैले प्रदूषण में सांस लेने से सेहत संबंधी कई समस्याएं परेशान कर सकती हैं। प्रदूषित हवा न सिर्फ फेफड़ों के लिए नुकसानदायक है बल्कि यह आंख, कान, त्वचा के साथ हमारे नर्वस सिस्टम को भी प्रभावित करती है। इसलिए बेहद जरूरी है अपने आसपास के वातावरण को साफ रखना। बाहर हवा में फैले प्रदूषण को तो कम करना बहुत मुश्किल है लेकिन अपने घर को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए तो उपाय किए ही जा सकते हैं। तो आइए जान लेते हैं इस बारे में...

ताजी हवा को पहचानें

यदि आप भारी यातायात वाले इलाके या एक व्यस्त सड़क के नजदीक रहते हैं, तो हर वक्त घर की खिड़कियां और दरवाजे खुला न रखें। इससे नाईट्रोजन डाई ऑक्साइड और सल्फर डाई ऑक्साइड जैसी जहरीली गैसें आपके घर के अंदर प्रवेश कर सकती हैं।

नियमित तौर पर वैक्यूम करें

जब आप सोफे से धूल साफ करते हैं या फिर तकिए के साथ खेलते हैं, तो आपको हवा में धूल के कण दिखाई देते हैं। यह धूल घर के अंदर के वातावरण में रहते हैं और सांस के साथ फेफड़ों में प्रवेश करते रहते हैं। नियमित रूप से वैक्यूम करते रहने से घर के अंदर जमे इन धूल के कणों को आसानी से साफ व कम किया जा सकता हैं।

सेंटेड कैंडल का इस्तेमाल कम करें

कुछ चीजें, जो हमारे घर में खूबसूरती और खुशबू बिखेरने का काम करते हैं वो प्रदूषण बढ़ाने में भी सहायक होते हैं, जैसे सुगंधित मोमबत्तियां। तो जितना हो सके इसका इस्तेमाल करें और हर वक्त जलाए रखने की जगह सिर्फ शाम को ही उनका इस्तेमाल करें।

क्लीनिंग उत्पादों का इस्तेमाल समझदारी से करें

हमारे घरों में पाए जाने वाले क्लीनिंग प्रोडक्ट्स में कई तरह के कैमिकल्स मिले होते हैं, जिन्हें हम किचन की सतहों, बाथरूम और खिड़कियों की साफ-सफाई करते हैं। तो इनकी जगह नेचुरल क्लीनिंग उत्पादों का इस्तेमाल करें, जिससे घर के अंदर की हवा में मौजूद प्रदूषण को कम किया जा सके।

एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करें

एक अच्छा एयर प्यूरिफायर न केवल एलर्जन और पीएम0.1 जितने छोटे प्रदूषक तत्वों को छानने में सक्षम होता है, बल्कि नुकसानदायक गैसों, जैसे वीओसी, नाईट्रोजन डाई ऑक्साइड आदि को भी फिल्टर करता है जो अगर आप प्रदूषित शहर में रह रहे हैं तो इसे घर में रखना जरूरी है।

खाना पकाते वक्त वैंटिलेशन सुनिश्चित करें

तेल में फ्राई करने से सूक्ष्म कण हवा में पहुंचकर प्रदूषण करते हैं और गैस स्टोव के जलने से नाईट्रोजन डाई ऑक्साइड जैसी गैसें निकलती हैं। इसलिए जरूरी है कि खाना पकाते समय किचन के उपकरण हवादार जगह हों या फिर खिड़कियां खुली हों, ताकि प्रदूषित हवा बाहर निकल जाए, या फिर मैकेनिकल वैंटिलेशन जैसे प्योरिफाईंग फैन का इस्तेमाल करें, जिससे प्रदूषक तत्व फिल्टर हो जाएं।

हंसना मना है

गोलू मोलू आपस में बात कर रहे थे। गोलू: यार मैं अपनी गर्लफ्रेंड को बर्थडे पर क्या गिफ्ट दूं? मोलू: मेरा मोबाइल नंबर दे दे।

पति: मेरे सीने में बहुत दर्द हो रहा है, जल्दी से एम्बुलेंस के लिए फोन लगाओ। पत्नी: हां, लगाती हूं। जल्दी अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ। पति: रहने दो, अब थोड़ा ठीक लग रहा है।

लड़की: तुम बहुत हैंडसम हो। लड़का: ओह जानू लड़की: तुम तो बिल्कुल राजकुमार हो। लड़का सच में? लड़की हां। लड़का और क्या कर रही हो अभी? लड़की मजाक।

एक बच्चा रो रहा था, उसके पिता ने रोने का कारण पूछा तो बच्चा बोला: 10 रुपये दो, तब बताऊंगा। पिता ने बेटे को 10 रुपये दे दिए और कहा- अब बताओ बेटे! तुम क्यों रो रहे थे? बच्चा बोला: मैं तो 10 रुपये के लिए ही रो रहा था, अब मिल गया।

मोटू: पापा मुझे स्कूल छोड़ने आप क्यों आते हो? मेरे सभी दोस्तों को छोड़ने तो उनकी मम्मी आती है, पापा (अपने मन में): बस इसीलिए बेटा।

पापा और 18 साल का बेटा एक होटल में गए, पापा: वेटर एक बियर और एक आईसक्रीम लाओ, बेटा-आईसक्रीम क्यों पापा, आप भी बियर लीजिये ना, दे। चप्पल.. पे.. चप्पल!

कहानी | आई बात समझ में

एक चालाक लोमड़ी अक्सर दूसरे जानवरों को बेवकूफ बनाया करती थी। उनको अपने घर बुलाकर उनका मजाक उड़ाने में उसे बड़ा मजा आता था। वह इस तरह से बात करती थी कि दूसरे जानवरों को समझ नहीं आता था कि क्या कहें। एक बार उसने कुछ मुर्गियों को अपने घर आने का निमंत्रण दिया। लेकिन बेचारी मुर्गियां कैसे आती? वे तो पिंजरे में कैद थी। कुछ दिन बाद उसने एक बंदर को नदी के बीचों-बीचों एक टापू पर खाने के लिए बुलाया। बेचारा बंदर क्या करता, उसने मना कर दिया क्यूंकि उसे तैरना ही नहीं आता था। ऐसा ही मजाक करने के लिए उसने एक दिन एक सारस को अपने घर रात के खाने पर बुलाया। सारस ने उसका निमंत्रण स्वीकार कर लिया। रात को सारस लोमड़ी के घर पहुँचा। लोमड़ी ने दो बड़ी प्लेटों में सूप लाकर रख दिया। सारस ने जब यह देखा तो बेचारा दुखी हो गया। क्योंकि वह अपनी लंबी चोंच से सूप पी ही नहीं सकता था। लोमड़ी ने मजे ले-लेकर सूप चटा और सारस को बिना खाए-पिए ही अपने घर लौट जाना पड़ा। कुछ दिन बाद सारस ने लोमड़ी को अपने घर खाने पर बुलाया। लोमड़ी जब सारस के घर पहुंची तो सारस ने उसका खूब प्यार से स्वागत किया। उसे बैठाया और बताया कि उसने लोमड़ी के लिए स्वादिष्ट खीर बनाई है। सुनकर लोमड़ी के मुंह में पानी आ गया। तब सारस ने दो लंबी सुराहियों में खीर लाकर रख दी। फिर उसने अपनी लंबी चोंच अंदर डाली और आराम से खीर खाने लगा। लोमड़ी ने सुराही को सब तरफ से चाटने की कोशिश की लेकिन खीर की एक बूँद भी नहीं चख पाई। बेचारी लोमड़ी को निराश होकर भूखा ही लौटना पड़ा। जो वह अब तक सबके साथ करती थी, आज उसके साथ हो रहा था। सारस ने वापस लौटते समय उससे सिर्फ इतना ही कहा, क्यों लोमड़ी, आई बात समझ में? कोई सताए तो कैसा लगता है यह बात लोमड़ी अच्छी तरह समझ गई थी।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बिना पूर्व प्लानिंग के आज अचानक से एक वॉच पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। अपने-अपने स्थान पर बैठे, आप लोग ऑनलाइन पार्टी का बहुत अच्छे से लुत्फ उठाएंगे।

वृषभ

यह जरूरी नहीं कि जिस व्यक्ति से आप मोहब्बत करते हैं वह एकदम परफेक्ट हो इसलिए आपको आज कितनी भी कमियां क्यों न नजर आए उन पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

मिथुन

आपके प्रेम संबंध पुराने चले आ रहे हों या अभी नए स्थापित होने है, दोनों ही स्थितियों में आपको आज एक नई शुरुआत करनी होगी। रिश्तों में वृद्धि होगी और प्यार की बेल बढ़ेगी।

कर्क

प्रेम संबंधों की कद्र करनी चाहिए ना कि उन पर संदेह करना चाहिए। आप किसी दूसरे की बातों में आकर अपने संबंधों को ताक पर ना रखें। अपनी फीलिंग्स को ही सदा महत्व ना दें।

सिंह

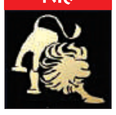

आप दोनों के मध्य जो भी मुद्दे पनप रहे होंगे, उन पर आज बहस हो सकती है। यदि आगे नहीं बढ़ना चाहते तब इसे खत्म कर देना चाहिए। आप दोनों को मिलकर हल खोजना होगा।

कन्या

आज आप कोई अनबन या उलझा हुआ मामला सुलझाने की कोशिश कर सकते हैं। इसमें सफलता मिलने के भी योग हैं। पुरानी बातें छोड़कर आगे ब?ने की कोशिश करें।

तुला

कोई ऐसी बात या परिस्थिति आपके सामने आ सकती है जिससे आपकी सोच बदल जाएगी। पैसों का फायदा होने और कार्यक्षेत्र में कोई उपलब्धि आपके नाम होने की भी संभावना बन रही है।

वृश्चिक

आपको अपने जज्बात को काबू में करने और डर से आजादी पाने की जरूरत है, क्योंकि ये आपकी सेहत पर खराब असर डाल सकते हैं और अच्छी सेहत का मजा लेने से आपको वंचित कर सकते हैं।

धनु

आज का दिन चिंताओं से मुक्ति का है। आज आपकी उम्मीद एक फूल की तरह खिलेगी। पारिवारिक मतभेद आज खत्म हो जाएगा। रिश्तों की शुरुआत नए सिरे से कर सकते हैं।

मकर

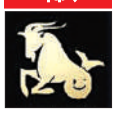

किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात होने के योग हैं। अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। समझदारी से काम लें। काम के प्रति अपनी एकाग्रता भंग न होने दें। यात्रा के भी योग बन रहे हैं।

कुम्भ

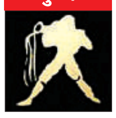

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। पारिवारिक परेशानियों को हल करने में आपका बच्चों जैसा मासूम बर्ताव अहम किरदार अदा करेगा।

मीन

किसी धार्मिक समारोह में जाने का प्लान बनेगा। आस-पास का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं। विदेश में पढ़ाई की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए समय ठीक है।

बॉलीवुड | मन की बात

तुम बिन फेम हिमांशु मलिक की बड़े पर्दे पर वापसी

तुम बिन और 'ख्वाहिश' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके एक्टर हिमांशु मालिक अब वापस बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। लेकिन इस बार वह स्क्रीन पर नहीं, बल्कि उसके पीछे रहकर फिल्म की कमान संभालेंगे। वह बतौर डायरेक्टर डेब्यू करने जा रहे हैं। हिमांशु फिल्म 'चित्रकूट' का डायरेक्ट कर रहे हैं। हिमांशु अपने डायरेक्शन और फिल्म को लेकर बेहद एक्साइटेड है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह फिल्म में एक्टिंग नहीं करेंगे। हिमांशु मलिक निर्देशक बनने के अपने फैसले के बारे में कहते हैं कि मुझे सामान्य प्रकार की फिल्में इतनी भाती नहीं हैं। जैसे करण जौहर की सुगर लेस्ड ओल्ड स्कूल फिल्में, यश राज की मॉडर्न चादर ओढ़े फिल्में, जो कहीं न कहीं एक भारतीय कल्चर को अपने ढंग से दिखाने की कोशिश करते हैं। फिर लहर आई अनुराग कश्यप की स्वतंत्र फिल्मों की, जो बहुत अच्छी थी लेकिन मैं अपने विषय को उसमे भी ढूंढता था जो मुझे नही मिली। हिमांशु मलिक ने आगे कहा, जिन कहानियों और दुनिया में मैं पला-बढ़ा हूं, उन्हें बताया नहीं जा रहा था और मैं बस उठकर उन्हें कहना चाहता था। मैने उनका कलेक्शन करना शुरू किया और मैंने कहानियों को लिखा और वहां से उस रास्ते की शुरुआत की जहां मैं अभी हूं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह फिल्म में एक्टिंग भी कर रहे हैं, हिमांशु कहते हैं नहीं, मैं नहीं कर रहा। हालांकि एक बेहतर कलाकार की कमी के कारण मैंने एक्टिंग की लेकिन वो बहुत ज्यादा नहीं थी। उतनी उपस्थिति तो मैं वैसे भी प्रोडक्शन के दौरान कर रहा था।

कियारा ने डरावने अंदाज से उड़ाये फैंस के होश

अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी फिल्म 'भूल भुलैया 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस साइकोलॉजिकल कॉमेडी थ्रिलर ड्रामा फिल्म में कियारा आडवाणी रीत नामक कैरेक्टर प्ले कर रही हैं। फिल्ममेकर्स ने फिल्म का एक टीजर पोस्टर शेयर कर रीत से खौफनाक अंदाज में मुलाकात करवाई है जिसे देखकर फैंस को रोंगटे खड़े हो गए। कियारा ने इस टीजर को अपने इंस्टा पर शेयर किया है। कियारा के शेयर किए वीडियो की शुरुआत में रीत की आंखों से जूम होना शुरु होता है जिसमें उनकी आंखों में दहशत भरी है और डर के मारे फैली हुई है धीरे-धीरे कियारा के चेहरे से कैमरा जूम आउट होता है तो आखिर में दिखता है कि एक भूतिया हाथ उनके सिर को पकड़े हुए है। इस वीडियो के बैकग्राउंड में डरावना म्यूजिक प्ले हो रहा है।

भूल भुलैया: 2' के इस वीडियो टीजर को इंस्टाग्राम पर शेयर कर कियारा आडवाणी ने लिखा है 'रीत से मिलिए। मूर्ख मत बनिए, वह इतनी स्वीट नहीं है'। कियारा आडवाणी के इस वीडियो को देखकर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं, और रीत को देखने के लिए एक्साइटेड हो गए हैं। इस वीडियो पर फैंस हार्ट और फायर इमोजी शेयर कर अपना प्यार लुटा रहे हैं। किसी को कियारा का किलर लुक लग रहा है तो किसी के रोंगटे खड़े हो रहे हैं। एक ने लिखा 'आप जो बताना चाह रही है, वो आपकी आंखे बयां कर रही हैं'। वहीं 'भूल भुलैया 2' के इस वीडियो को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कर कार्तिक आर्यन ने कैप्शन में लिखा 'भूल भुलैया की दुनिया में आपका स्वागत है कियारा आडवाणी, मिलिए रूह बाबा की रीत से। इससे एक दिन पहले कार्तिक ने अपना

बॉलीवुड | मसाला

फर्स्ट लुक इंस्टाग्राम पर शेयर कर कैप्शन में लिखा था 'रूह बाबा आ रहे हैं। 20 मई'। इस टीजर में राजपाल यादव की झलक दिख रही है। बता दें कि 'भूल भुलैया 2' फिल्म 20 मई को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में कियारा आडवाणी, कार्तिक आर्यन, राजपाल यादव के साथ तब्बू भी नजर आएंगी। ये फिल्म अक्षय और विद्या बालन की हिट फिल्म 'भूल भुलैया' का सीक्वल है।

केजीएफ-2 की सक्सेस के लिए रॉकी भाई ने कहा शुक्रिया

साउथ सुपरस्टार यश उर्फ रॉकी भाई थिएटर्स में छाए हुए हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 250 करोड़ की कमाई अब तक कर चुकी है। हर ओर केवल रॉकी भाई ही छाए हुए हैं। फिल्म सक्सेसफुल है। सोशल मीडिया पर फैन्स फिल्म देखने के बाद छोटे-छोटे क्लिप्स शेयर कर रहे हैं। कई मीम्स बना रहे हैं। फिल्म में संजय दत्त और रवीना टंडन भी नजर आए हैं। फिल्म की सक्सेस पर अब रॉकी भाई ने दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है। यश ने किया फैन्स का शुक्रिया, दरअसल, सुपरस्टार यश ने एक कहानी सुनाते हुए अपने फैन्स को थैंक्यू कहा है। यश कहते हैं कि एक छोटा सा गांव था, जहां बाढ़ आ गई थी। बहुत लंबे समय तक वहां के लोगों ने इस स्थिति का सामना किया। ऐसे में लोगों ने एक दिन तय किया कि वह प्रार्थना करेंगे। लोग इक्ट्ठा हुए, लेकिन एक लड़का वहां हाथ में छाता लेकर आया। लोगों ने उसे बेवकूफ कहा। कई ने इस बर्ताव को ओवरकॉन्फिडेंस बताया। क्या आपको पता है कि वह क्या था, विश्वास। मैं उस छोटे लड़के की तरह हूं, जिसे इस इंडस्ट्री में भरोसा था। यश ने आगे कहा कि मैं इस स्थिति में हूं कि अगर शुक्रिया कहता हूं तो शायद वह छोटा शब्द हो जाएगा। फिर भी मैं अपने हर फैन का शुक्रिया अदा करता हूं, दिल से, जिन्होंने केजीएफ 2 को हिट किया। मुझपर इतना प्यार बरसाया और ब्लेसिंग्स दीं। पूरी टीम की ओर से मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। उम्मीद करता हूं कि आप एन्जॉय कर रहे होंगे इस फिल्म को और आगे भी करते रहेंगे। फिल्म की रिलीज के बाद इसके सभी सितारे स्टार बन गए हैं। छोटा-बड़ा हर किरदार लोगों के दिल में बस गया है। केजीएफ 2 की सफलता ने यश को भी साउथ इंडिया का मोस्ट बैंकेबल एक्टर बना दिया है, लेकिन यह तो अभी शुरुआत है।

अजब-गजब | आइलैंड में बना दुनिया का सबसे अकेला घर

करोड़ों में बिक रही है वन बेडरूम प्रॉपर्टी!

घर के मामले में भी हर इंसान की अपनी-अपनी च्वाइस होती है। कुछ लोग शांति में जीना चाहते हैं तो कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें चहल-पहल में रहना पसंद होता है। हर कोई अपने मन मुताबिक प्रॉपर्टी ढूंढना चाहता है। फिलहाल एक ऐसी प्रॉपर्टी खरीदने के लिए मौजूद है, जो ऐसे अपनी ही दुनिया में मगन रहने वालों के लिए परफेक्ट है। ये घर दुनिया का सबसे एकाकी घर बताया जा रहा है। अमेरिका के मेन में मौजूद वोहोआ बे में ये घर एक आइलैंड पर बना हुआ है। इस घर में सिर्फ एक बेडरूम है और इसे दुनिया का सबसे तन्हा घर बताया जा रहा है। ऐसे में उन लोगों के लिए तो ये जगह नहीं है, जो फैंसी लाइफस्टाइल जीना चाहते हैं लेकिन ये छोटा सा घर उन लोगों के स्वागत के लिए तैयार है, जो तन्हाई में रहना पसंद करते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक ही बेडरूम वाला घर, जिसके आस-पास रेत और पानी के अलावा कुछ भी मौजूद नहीं है, उसकी कीमत करोड़ों में लग रही है। इस जगह को अंतर्मुखी लोगों का स्वर्ग कहा जाता है और इसे बेचने के लिए कीमत 339,000 यानि भारतीय मुद्रा में करीब 2.58 करोड़ लगाई गई है। घर Duck Ledges Island पर बना है। इसका क्षेत्रफल 1.5 एकड़ है और यहां इंसान का दूर-दूर तक बसेरा नहीं है। आइलैंड पर बड़ी संख्या में सील देखे जाते हैं लेकिन न तो कोई पेड़-पौधा न ही सभ्यता का कोई निशान। घर से बाहर आते ही आपको सिर्फ और सिर्फ प्रकृति का साथ मिलेगा। घर अच्छी हालत में है क्योंकि इसे करीब 10-12 साल पहले यानी साल 2009 में ही बनाया गया है। दिलचस्प बात ये है कि यहां और कुछ हो न हो लेकिन जबरदस्त वाईफाई नेटवर्क काम करता है। घर 540 स्कवायर फीट में बना हुआ है और जरूरत की सारी चीजें यहां मौजूद हैं। लड़की से बनी हुई दीवारें खिड़कियों पर टिम्बर फ्रेम इसे और भी सुंदर बनाते हैं। यहां बाढ़ का भी कोई डर नहीं है लेकिन सिर्फ एक ही दिक्कत है कि घर के अंदर कोई बाथरूम नहीं है। इंसानों को छोड़कर रात में यहां समुद्री जीवों और गिद्धों की आवाज़ें खूब आती हैं। फिलहाल ये प्रॉपर्टी Bold Coast Properties के एजेंट Billy Milliken के पास है। जो इसे बेचना चाहते हैं।

मौत की सजा पाने वाला दुनिया का सबसे बुजुर्ग कैदी!

32 साल पहले की थी पुलिस अफसर की निर्मम हत्या

कई बार लोग जाने-अंजाने में ऐसी गलतियां कर देते हैं जो उनके साथ जिंदगी भर रह जाती हैं। इन गलतियों की वजह से उनका नाम बदनाम हो जाता है। वहीं अगर गलती बेहद बड़ी हो तो फिर उन्हें कानून से भयंकर सजा मिलती है। इन दिनों इसी वजह से अमेरिका का एक शख्स चर्चा में है क्योंकि उसे हाल ही में उसकी गलती के कारण मौत की सजा दी गई है। वो अब मौत की सजा पाने वाला दुनिया का सबसे बुजुर्ग कैदी बन गया है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार 78 साल के कार्ल वेन बनटिओन अमेरिका के दक्षिणी राज्य में सबसे बुजुर्ग कैदी थे जो अपनी मौत की सजा का इंतजार कर रहे थे। कार्ल ने साल 1990 में 37 साल के पुलिस अधिकारी जेम्स इर्बी पर गोली चला दी थी जिससे जेम्स की मौत हो गई थी। उस दौरान कार्ल पर पहले से ही कई क्रिमिनल चार्ज थे। रिपोर्ट्स के अनुसार कार्ल को हंट्सविले के टेक्सास स्टेट जेल में जानलेवा इंजेक्शन देकर मौत दी गई। कार्ल अपने एक साथ के साथ कार से जा रहे थे जब जेम्स ने उन्हें बीच में रोका। जेम्स और कार्ल का साथी आपस में बात कर रहे थे जब कार्ल ने जेम्स के सिर पर गोली मार दी और उनकी मौत हो गई। इसके बाद उन्होंने भागने की कोशिश की मगर पकड़े गए। कोर्ट की सुनवाई के दौरान उन्होंने ये तो कबूल किया था कि उन्होंने गोली चलाई मगर सिर्फ आत्म रक्षा में। हालांकि, कोर्ट में उनकी इस दलील को नहीं माना गया। माफी की अर्जियों को अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने भी खारिज कर दिया था और उन्हें मौत की सजा दी जानी थी। कार्ल, मौत की सजा पाने वाले दुनिया के सबसे बुजुर्ग कैदी थी। मौत से कुछ दिन पहले उन्होंने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वो पिछले 32 सालों से अपने द्वारा किए गए कृत को लेकर अफसोस कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वो जेम्स की पत्नी से माफी मांगने चाहते हैं और उनकी मौत के बाद ही परिवार को राहत मिलेगी।

वंचितों की समस्याओं का समाधान सुझाएं विश्वविद्यालय : राज्यपाल

» पांच गांव को गोद लें, महिलाओं और बच्चों के मुद्दों को भी समझें

» बीएचयू में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने किया आह्वान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा है कि विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान परिसर से निकल कर समाज के वंचित वर्ग तक पहुंचें। बच्चे पीजी तक पहुंचें इसलिए उनका केजी में आना जरूरी है और इनके बीच सेतु बनाने का काम विश्वविद्यालयों को करना होगा। उन्होंने शिक्षकों, छात्रों और शोधकर्ताओं से गांवों और पिछड़े क्षेत्रों में जाने, महिलाओं, बच्चों और गरीबों के साथ बातचीत करने, उनके मुद्दों और समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने और उनके समाधान के उपाय सुझाने का आह्वान किया।

बीएचयू के कृषि विज्ञान संस्थान के शताब्दी सभागार में डॉ. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन करने के बाद राज्यपाल ने कहा कि यह कड़वा सच है कि जिनके लिए आरक्षण लागू किया गया था, उन्हें आरक्षण का लाभ अब तक नहीं मिल सका है। विश्वविद्यालयों में खर्च खूब हुए मगर जमीनी स्तर पर काम नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि हर राज्य विश्वविद्यालय को पांच और कॉलेज को एक गांव गोद लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक बच्चे यहां आएं और फिर उनके विश्वविद्यालय पहुंचने का मार्ग प्रशस्त हो सके। इस मौके पर मुख्य अतिथि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री और डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने कहा कि उनका मंत्रालय वंचित वर्ग के बच्चों के साथ ही दिव्यांग और ट्रांसजेंडरों के लिए भी कई कार्यक्रम चला रहा है। बीएचयू की तारीफ करते हुए कहा कि इस परिसर में भ्रमण करने पर लगता है कि महामना अब भी हमारे आसपास हैं। समारोह के दौरान मंत्रालय के राज्यमंत्री प्रतिमा भौमिक, ए. नारायणस्वामी और सचिव आर. सुब्रह्मण्यम ने भी योजनाओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम में बीएचयू के कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन, कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. आंबेडकर पीठ के चेयर प्रोफेसर प्रो. मंजीत चतुर्वेदी ने केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल और राज्यमंत्रियों को तुलसी का पौधा देकर स्वागत किया। इस दौरान सभी 31 विश्वविद्यालयों के कुलपति और प्रतिनिधियों ने समझौता पत्र का आदान-प्रदान किया।

मेरठ में पत्नी की हत्या कर पति ने लगाई फांसी

» जांच पड़ताल में जुटी पुलिस, पारिवारिक कलह को बताया जा रहा कारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। जिले में पति ने अपनी पत्नी का कत्ल कर खुद को फांसी लगा ली। पारिवारिक कलह को इसकी वजह माना जा रहा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई।

घटना मेरठ के थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र की है जहां साबेज अपनी पत्नी सीबा के साथ रहता था। शुक्रवार को सावेज की किराना की दुकान बंद रही। वहीं पति-पत्नी दोनों में से कोई घर से बाहर नहीं निकला जिसे लेकर पड़ोसियों को शक हुआ। पड़ोसियों ने घर जाकर देखा तो उनके होश उड़ गए। पति की लटकती लाश और पत्नी का शव घर में पड़े थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के मुताबिक, शादी के बाद दोनों के बीच तनातनी रहती थी, जिसके चलते पत्नी और उसके मायके वाले पति को जेल भिजवा चुके थे लेकिन उसके बाद भी दोनों साथ रह रहे थे और अब दोनों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पत्नी की कूलर के तार से गला घोट कर हत्या की गई है। जिसके बाद पति ने खुद को फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। फिलहाल पुलिस हत्या और सुसाइड की घटना को लेकर जांच कर रही है।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण पर अलर्ट, दस फीसदी बेड आरक्षित

» हर मेडिकल कॉलेज को तीस बेड का कोविड वार्ड बनाने के निर्देश

» चौबीस घंटे में 188 नए केस मिले, लखनऊ में दस लोगों में संक्रमण की पुष्टि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश में अलर्ट जारी किया है। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी मेडिकल कॉलेजों को पूरी तैयारी के निर्देश दिए हैं। हर मेडिकल कॉलेज में 30 बेड का कोविड वार्ड बनाने को कहा गया है। केस बढ़ने पर सरकारी अस्पतालों में भी 10 फीसदी बेड आरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को कोरोना के 188 नए मामले सामने आए। इससे कुल एक्टिव केस की संख्या 1044 हो गई। बीते 24 घंटों में 123 मरीजों ने संक्रमण को मात दी है। गौतमबुद्ध नगर में 108, गाजियाबाद में 38 और लखनऊ में 10 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। लिहाजा स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। कोविड के अलावा मेडिकल कॉलेजों व अन्य सरकारी अस्पतालों में पीकू वार्ड भी बनाए गए हैं। पीजीआई के निदेशक डॉ. आरके धीमान ने बताया कि अभी स्कूलों को बंद करने की जरूरत नहीं है। 12 साल से ऊपर के सभी बच्चों को टीके का कवच मिले यह सुनिश्चित किया जाएगा। प्रदेश में अब तक 31 करोड़ से अधिक टीके की डोज दी जा चुकी है। इसके पहले गुरुवार को प्रदेश में 205 कोरोना केस मिले थे, जिसमें गौतमबुद्ध नगर जिले में 103, गाजियाबाद 52, लखनऊ 16, प्रयागराज 7, मेरठ में 4 कोरोना केस मिले हैं।

अमेठी : संदिग्ध परिस्थितियों में महिला दारोगा की मौत से हड़कंप

» सरकारी आवास पर फंदे से लटका मिला शव

» पिता बोले, बेटी नहीं कर सकती सुसाइड, हत्या की जताई आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। जिले के मोहनगंज थाने की महिला चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रश्मि यादव शुक्रवार को सरकारी आवास में फंदे से लटकी दिखी तो हड़कंप मचा गया। आनन-फानन में दरवाजा तोड़कर महिला दारोगा को तिलोई सीएचसी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। संदिग्ध हालात में महिला दारोगा की मौत के बाद विभाग में हड़कंप मच गया। मोहनगंज पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है। वहीं महिला दारोगा के पिता ने बेटी की हत्या की आशंका जताई है।

लखनऊ के गोसाईगंज थानाक्षेत्र के मलौली गांव निवासी मुन्ना लाल यादव की पुत्री रश्मि यादव की नियुक्ति 2017 बैच में बतौर उपनिरीक्षक हुई थी। वह शुक्रवार को सीओ कार्यालय में अफसरों के साथ वारस्म की तैयारी में जुटी थीं। दो बजे वह अपने सरकारी आवास पर चली गई। 4 बजे सब इंस्पेक्टर रश्मि यादव को एएसपी विनोद कुमार पांडेय का निरीक्षण होने की जानकारी देने के लिए उनके आवास पर गए। लेकिन दरवाजा नहीं खुला। पुलिसकर्मियों ने जब दरवाजा तोड़कर देखा तो रश्मि फंदे से लटकती मिलीं। पिता का कहना है कि उनकी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती उसकी हत्या की गई है। पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह ने बताया कि पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच की जा रही है। मौके पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

हेड कांस्टेबल ने खुद को मारी गोली

वाराणसी। लालपुर-पांडेयपुर थाने के चालक हेड कांस्टेबल यशवंत सिंह ने आज सुबह पुलिस जीप में खुद के लाइसेंसी रिवाल्वर से सिर में गोली मार ली। उन्हें बीएचयू ट्रामा सेंटर ले जाया गया है। जहां हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि वह अवकाश न मिलने के कारण क्षुब्ध थे। ड्यूटी के दौरान साथी पुलिसकर्मी ने उन्हें चाय पीने के लिए चलने को कहा। इस दौरान उन्होंने मना कर दिया और पुलिस जीप में जाकर बैठ गए। थोड़ी ही देर में गोली चलने की आवाज सुनकर पुलिसकर्मी दौड़े तो खून से लथपथ यशवंत सिंह को देख अवाक रह गए और पुलिस अधिकारियों को सूचना दी। बताया जा रहा है कि उन्होंने अपने बेटे को वॉट्सएप पर सुसाइड नोट भेज कर खुद को गोली मार ली।

सपा को कमजोर करना चाहती है भाजपा!

» 4पीएम की परिचर्चा में आजम-शिवपाल की मुलाकात पर मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव के बाद अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल यादव के बीच तल्खी बढ़ती जा रही है। इस बीच शिवपाल ने सीतापुर जेल में बंद सपा विधायक आजम खान से मुलाकात की। सवाल यह है कि क्या शिवपाल और आजम की मुलाकात के पीछे भाजपा का प्लान ऑपरेशन अखिलेश यादव है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर दुबे, अशोक वानखेड़े, सुशील दुबे, बृजेश शुक्ला, आरएलडी प्रवक्ता रोहित अग्रवाल, सपा प्रवक्ता अब्बास हैदर, भाजपा नेता चेत नारायन सिंह और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

उमाशंकर दुबे ने कहा कि पहली बार सुना है कि सरकार मुकदमे से छुड़ा सकती है, बाहर निकाल सकती है। आजम से मुलाकात के बाद शिवपाल ने अखिलेश ही नहीं, मुलायम सिंह पर भी निशाना साधा।

सुशील दुबे ने कहा शिवपाल की दुकान बंद है। वे आडवाणी हो रहे है। इसमें भाजपा बैक डोर से गेम खेल रही है। भाजपा 2024 की तैयारी कर रही है।

बृजेश शुक्ला ने कहा, आजम खां का मामला अलग है। विधान सभा में जब से अखिलेश ने कमान संभाली है तब से आजम में एक बेचैनी है। अशोक वानखेड़े ने कहा कि 125 सीटों पर अखिलेश का आना बीजेपी के लिए चिंता का विषय है। भाजपा सपा को तोड़ना चाहती है। शिवपाल का मन बीजेपी का हो चुका है। रोहित अग्रवाल ने कहा हम विपक्ष में बैठे हैं। भाजपा गठबंधन को तोड़ने की कोशिश कर रही है। जयंत जी रामपुर में थे तो आजम के परिवार से शिष्टाचार मुलाकात की। अब्बास हैदर ने कहा, आजम पार्टी के वरिष्ठ नेता है। भाजपा जनता को गुमराह करने के लिए ये सब राजनीतिक रायता फैला रही है। चेत नारायन सिंह ने कहा भाजपा सबका साथ सबका विकास की बात करती है। वह किसी पार्टी को तोड़ने का काम नहीं करती है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

भाजपा विधायक हर्षवर्धन के निर्वाचन को चुनौती

» कांग्रेस प्रत्याशी अनुग्रह नारायण ने दायर की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद शहर उत्तरी के भाजपा विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी के चुनाव की वैधता को कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। चुनाव याचिका वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेन्द्र व रवीन्द्र सिंह के मार्फत दाखिल की गई। याचिका में विधायक वाजपेयी पर चुनाव आयोग को अपनी शैक्षिक योग्यता, संपत्ति, बैंक लोन को लेकर झूठा हलफनामा दाखिल करने का आरोप लगाया गया है।

याची अनुग्रह नारायण सिंह का कहना है कि विपक्षी ने सरकारी संपत्ति को अपनी संपत्ति बताया है और 22 करोड़ की संपत्ति को साढ़े तीन करोड़ दिखाया है। यह भी आरोप है कि पिछले 2017 के नामांकन से भिन्न जानकारी इस वर्ष दी गई है। उन पर लोन बकाया है लेकिन बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से अदेय प्रमाणपत्र प्राप्त किया है। साथ ही एक ही साल में दो डिग्रियां हासिल की है। यह सब करप्ट प्रैक्टिस की श्रेणी में आता है। याचिका में झूठा हलफनामा दाखिल करने के कारण चुनाव रद्द करने की मांग की गई है।

आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी संजय सिंह का भाजपा पर बड़ा हमला, कहा

प्राचीन मंदिरों को बचाने के लिए हमने यात्रा निकाली तो एफआईआर, काशी में मंदिर तोड़े गए कोई एक्शन नहीं

» अयोध्या में आप ने भाजपा भगाओ-भगवान बचाओ यात्रा निकाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज्यसभा सांसद व आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी संजय सिंह ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा मंदिरों को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी ने यात्रा निकाली तो एफआईआर हो गई और काशी में 100 से ज्यादा मंदिर तोड़े गए कोई एक्शन नहीं, यह है हमारी योगी सरकार, भाजपा सरकार।

आप नेता बोले भाजपा सरकार झूठ की खेती करती हैं। गरीबों पर बुलडोजर चलाती है। उनके अपने लोग जो कब्जा किए बैठे हैं, उन पर आखिर क्यों बुलडोजर नहीं चलता। सबका साथ सबका विकास कहां गया इनका। आने वाले दिनों में जनता जाग जाएगी तो भाजपा को पता चलेगा कि किस तरह हमने आम आदमी को प्रताड़ित किया। बता दें कि आम आदमी पार्टी ने पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत आज वाराणसी में काशी विश्वनाथ कारीडोर बनाने के लिये कथित रूप से तोड़े जा चुके मंदिर और अयोध्या के ऐतिहासिक मंदिरों को जर्जर बता कर दी गई नोटिस के खिलाफ भाजपा भगाओ-भगवान बचाओ यात्रा निकाली। अयोध्या में यात्रा का प्रदेश प्रवक्ता सभाजीत सिंह की अगुवाई में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर स्वागत किया गया। राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में निकली यात्रा के पहले सभाजीत सिंह ने नयाघाट पर सरयू नदी का जल लेकर मंदिर की सुरक्षा का संकल्प किया। इसके बाद काशी के लिए अयोध्या के नयाघाट से निकली यात्रा का तुलसी उद्यान, टेढ़ी बाजार, साकेत महाविद्यालय, रानोपाली, साहबगंज, नाका, मसौधा, पिपरी, जलालपुर, बीकापुर, खजुरहट व चौरे बाजार सहित दो दर्जन से अधिक स्थानों पर स्वागत किया गया। यात्रा में प्रदेश अध्यक्ष सहित आम आदमी पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ता शामिल हुए।

योगी राज में मंदिरों पर चला बुलडोजर काशी में सौ से ज्यादा मंदिरों को तोड़ा गया!

आप नेता संजय सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया में दावा किया जा रहा है कि वाराणसी में 100 से ज्यादा हिंदू मंदिरों पर बुलडोजर चला दिया गया है। प्राचीन मंदिरों को पूरी तरह नेस्तोनाबूत कर दिया गया है, जिससे वाराणसी के लोग नाराज हैं। लोग सोशल मीडिया में टूटे हुए प्राचीन मंदिरों की तस्वीरें भी अपलोड कर रहे हैं। मलबें में पड़े शिवलिंगो के फोटो शेयर कर रहे हैं। दावा ये किया जा रहा है कि बनारस में मंदिरों के साथ-साथ सैकड़ो साल पुरानी इमारतों को भी गिराया गया है। फेसबुक, ट्विटर और व्हाट्सऐप पर लोग इन तस्वीरों को देखकर हैरान हैं। लोगों का ये मानना है कि सरकार के इस कदम से काशी की पहचान और प्राचीन धरोहर को नष्ट किया जा रहा है।

लखनऊ जेल में भ्रष्टाचार की लोकायुक्त से शिकायत

» अमिताभ ठाकुर ने जांच कर कार्रवाई की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जबरिया रिटायर पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने लखनऊ जेल में कैदियों के कल्याण के नाम पर बेचे जा रहे सामानों में भ्रष्टाचार की लोकायुक्त जस्टिस संजय मिश्रा को शिकायत भेजी है। अमिताभ ने कहा कि लखनऊ जेल में सुविधा के नाम पर दैनिक उपयोग की तमाम वस्तुएं, सब्जियां, दुग्ध उत्पाद, बीड़ी आदि की बिक्री होती है।

उन्होंने कहा कि वहां हर सामान अपने वास्तविक मूल्य से काफी बढ़े मूल्य पर बेचा जा रहा है। उदाहरण के लिए 5 रुपये के पारले बिस्कुट के 2 पैकेट, 10 रुपए का रिन साबुन, 10 रुपए का टूथपेस्ट का छोटा पैक 15 से 20 रुपये में बेचे जा रहे हैं। इसी तरह एक रुपये का माचिस का डिब्बा पांच रुपए तथा पराग का आधा लीटर का फुल क्रीम मिल्क 29 रुपये की जगह 40 रुपये में बेचा जा रहा है। इसी तरह हर सामान को बढ़े दाम पर बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके पास इस संबंध में सबूत भी हैं। अमिताभ ने कहा कि उन्हें प्राप्त जानकारी के अनुसार यूपी के बाकि जेलों में भी यही स्थिति है, जिससे लाखों रुपये प्रति दिन की कमाई की चर्चा हैं। उन्होंने इस संबंध में जांच कर कार्यवाही की मांग की है। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर सात माह जेल में रह कर अभी हाल में जमानत पर बाहर आये हैं।

लापरवाह हो गए हैं अफसर : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक किसान के फसल ऋण आवेदन पर 4 साल से गौर न करने पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने मामले में टिप्पणी की कि समाज के आखिरी व्यक्ति के प्रति अफसर काफी लापरवाह हो गए हैं।

अदालत ने मामले में प्रमुख सचिव कृषि को जांच कर रिपोर्ट कोर्ट को भेजने का आदेश दिया। साथ ही संबंधित पत्र पर तीन हफ्ते में निर्णय लेने को कहा है। न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह ने यह फैसला व आदेश किसान रामचंद्र यादव की याचिका पर दिया। याची ने कृषि यंत्र व खाद बीज खरीदने के लिए बैंक से योजना के तहत कर्ज लेने का आवेदन किया था। फसल ऋण योजना 2017 के तहत लाभ पाने का उसका आवेदन तीन वर्ष तक जिला स्तर पर ही अधिकारियों ने लटकाए रखा। तब उसने कोर्ट की शरण ली थी। मामला 2018 से लंबित है और इसकी मंजूरी प्रमुख सचिव कृषि को देनी है।

फोटो : सुमित कुमार

सड़क सुरक्षा सप्ताह सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत एनसीसी कैडेट्स ने लखनऊ स्थित हजरतगंज चौराहे पर लोगों को यातायात नियमों के लिए जागरुक किया।

वेस्ट यूपी में जाट वोट बैंक पर भाजपा की पकड़ गठबंधन से ज्यादा मजबूत

» पार्टी की ओर से तैयार की गई रिपोर्ट में खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव में भाजपा के लिए गठबंधन में सहयोगी अपना दल (एस) और निषाद पार्टी से ज्यादा फायदेमंद बसपा रही। बसपा का जाटव सहित दलित वोट बैंक भाजपा को हस्तांतरित हुआ है। वहीं पश्चिमी यूपी में जाट वोट बैंक पर भाजपा की पकड़ सपा-रालोद गठबंधन से ज्यादा मजबूत है। पार्टी की ओर से यूपी चुनाव को लेकर तैयार की गई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

प्रदेश नेतृत्व ने रिपोर्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंप दी है। यूपी चुनाव 2022 में बसपा ने 122 सीटों पर ऐसे उम्मीदवार मैदान में उतारे थे जो कि सपा उम्मीदवार की जाति के ही थे। इनमें 91 मुस्लिम और 15 यादव उम्मीदवार थे। मुस्लिम-यादव (एमवाई) फैक्टर के अनुसार इन सीटों

पर सपा की जीत की प्रबल संभावना थी, लेकिन बसपा की ओर से सजातीय उम्मीदवार उतारने का फायदा भाजपा को मिला। नतीजन 122 में से 68 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। पार्टी का मानना है कि फरेंदा, सिराथू सहित करीब एक दर्जन से अधिक ऐसी सीटें हैं जहां कुर्मी वोट भाजपा को नहीं मिला। जबकि कुर्मी वोट बैंक की राजनीति करने वाला अपना दल (एस) भाजपा के साथ था। अपना दल ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था, इसमें से 12 सीटों पर जीत दर्ज की। इनमें भी दो सीटों पर दो हजार से कम और एक सीट पर पांच हजार से कम अंतर से जीते। जबकि चार सीटें 5 पांच हजार से अधिक और एक सीट दो से पांच हजार के अंतर पर हारी। वहीं पूर्वांचल की कुछ सीटों पर निषाद समाज का वोट भी पूरी तरह भाजपा को नहीं मिला। निषाद पार्टी ने नौ सीटों पर चुनाव लड़ा था, इसमें से छह सीटें जीती। शाहगंज से निषाद पार्टी के रमेश सिंह 719 वोटों से जीते। रिपोर्ट में सामने आया है कि पश्चिमी यूपी में जाट मतदाता शहरी और ग्रामीण में बंट गए। शहरी जाट मतदाताओं ने भाजपा को जबकि ग्रामीण में सपा-रालोद गठबंधन की ओर रहा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।